मुख्यमंत्री ने ज्वाला माता व शाकंभरी माता मंदिर में पूजा की

उन्होंने नौ देवी स्वरूप कन्याओं का पूजन किया व हवन में आहुति दी

जयपुर, 23 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को नवरात्र के अवसर पर जोबनेर स्थित ज्वाला माता मंदिर और सांभर स्थित शक्तिपीठ शाकम्भरी माता मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की तथा प्रदेश की खुशहाली एवं सुख-समृद्धि के लिए कामना की। ज्वाला माता मंदिर में पुजारियों द्वारा मुख्यमंत्री शर्मा को आशीर्वाद स्वरूप माता की चुनरी ओढ़ाई गई तथा मंदिर ट्रस्ट द्वारा साफा पहनाकर और माता की तस्वीर भेंट कर स्वागत किया गया। वहीं, मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में नौ देवी का स्वरूप बनी कन्याओं का पूजन कर आशीर्वाद भी प्राप्त किया।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बस्सी नागा स्थित बजरंग गौशाला में गायों को गुड़ खिलाया तथा जोबनेर कृषि विश्वविद्यालय में श्री कर्ण नरेन्द्र की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने यहाँ छात्राओं से भी संवाद भी किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को जोबनेर स्थित ज्वाला माता मंदिर और सांभर स्थित शक्तिपीठ शाकम्भरी माता मंदिर में पूजा-अर्चना की।

इसके बाद मुख्यमंत्री सांभर स्थित शक्तिपीठ शाकम्भरी माता मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने माता के दरबार में शीश नवा कर पूजा-अर्चना की एवं हवन में आहुति भी दी। इस दौरान, मुख्यमंत्री मंदिर में आए श्रद्धालुओं से भी मिले। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर आमजन में उत्साह नजर आया। जयपुर लौटते समय मुख्यमंत्री ने दहमीकलां स्थित श्री खेड़पति बालाजी मंदिर में दर्शन किए। यहां पुजारी ने शॉल ओढ़ाकर उनका अभिनंदन किया।

आमजन ने जगह-जगह मुख्यमंत्री का पुष्पवर्षा के साथ भव्य स्वागत किया। झोटवाड़ा में स्थानीय लोगों एवं हाथोज में विधायक बालमुकुन्दाचार्य ने फूलमालाएं पहनाकर उनका अभिनंदन किया। इसके बाद, धानक्या मोड़ पर किसानों ने मुख्यमंत्री को गेहूं की बालियां भेंट कीं तथा कालवाड़ में आमजन ने राम जल सेतु लिंक परियोजना के लिए आभार जताया।

शर्मा ने बस्सी नागा स्थित बजरंग गोशाला में गायों को गुड़ खिलाकर गौ सेवा की तथा जोबनेर स्थित कृषि विश्वविद्यालय में श्री कर्ण नरेन्द्र की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। यहां छात्राओं ने संवाद के दौरान मुख्यमंत्री से आशीर्वाद प्राप्त किया एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। तत्पश्चात जोबनेर में लोगों ने मुख्यमंत्री को तलवार भेंट कर उनका स्वागत किया। इसके बाद, फुलेरा में आमजन ने मुख्यमंत्री को गदा भेंट कर अभिनंदन किया। शर्मा ने फुलेरा सर्किल पर डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। इसके बाद रिणगी, बिचून एवं मोखमपुरा गांव में ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस अवसर पर, उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, विधायक निर्मल कुमावत सहित, अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

दिल्ली में सोमवार को तेज आंधी के साथ बारिश हुई

नई दिल्ली, 23 मार्च। दिल्ली में मार्च में हुई बारिश से बीते दो वर्षों का रिकॉर्ड टूट गया है। सोमवार तक दिल्ली में 18.6 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई। इससे पहले 2025 में 1.8 और 2024 में 4.3 एमएम बारिश हुई थी। मौसम विभाग ने इस सप्ताह दो दिन और झमाझम बारिश का अनुमान जताया है, जिससे रिकॉर्ड में और बढ़ोतरी होगी।

- इस माह 24 से 28 तक आसमान आंशिक रुप से बादलों से ढका रहेगा।

तड़के हल्की फुहारों और हवाएं चलने से सोमवार की सुबह मौसम खुशनुमा हो गया। अचानक काले बादलों के कारण अंधेरा छा गया और कई जगहों पर तेज आंधी के साथ बारिश हुई। दिन चढ़ने के साथ धूप तेज हो गई, लेकिन बीच-बीच में बादलों की आवाजाही भी बनी रही।

मौसम विभाग के अधिकारियों के अनुसार, उत्तर-पश्चिमी भारत पर दो पश्चिमी विक्षोभ का असर पड़ने की आशंका है। पहला 26 और दूसरा 29 मार्च को सक्रिय हो सकता है।

विभाग के अनुसार, दिल्ली और आसपास के क्षेत्र में अगले हफ्ते मौसम में हल्के बदलाव की संभावना है। ऐसे में तापमान धीरे-धीरे बढ़ कर 32-34 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। 24 से 28 मार्च तक आसमान आंशिक रूप से बादलों से ढका रहेगा। हवाएं मुख्यतः उत्तर-पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम दिशा में 5-20 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से चलेंगी।

बंगाल में ओवैसी ने हुमायूं कबीर से हाथ मिलाया

राजनैतिक हलको में चर्चा है कि इससे तृणमूल को नुकसान होगा

कोलकाता, 23 मार्च। हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने पश्चिम बंगाल चुनाव के लिए हुमायूं कबीर की पार्टी, आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के साथ गठबंधन का एलान किया है। हुमायूं कबीर तृणमूल कांग्रेस से विधायक रहे हैं, लेकिन बीती साल टीएमसी ने कबीर को पार्टी से निष्कासित कर दिया था, जिसके बाद हुमायू कबीर ने नई पार्टी बनाने का फैसला किया।

हुमांयू कबीर ने आगामी विधानसभा चुनाव में 182 सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। वो 15 सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नामों का एलान भी कर चुके हैं तथा रेजीनगर सीट से वे स्वयं चुनाव लड़ेंगे। हुमायूं कबीर मुर्शिदाबाद जिले की दो सीटों से चुनाव लड़ेंगे, जिनमें रेजीनगर के अलावा नौवाला सीट शामिल है।

हुमायूं कबीर मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद का निर्माण करा रहे हैं, जिसके लिए उन्हें करोड़ों रुपये का चंदा मिलने की बात कही जा रही है। बाबरी मस्जिद के निर्माण को लेकर वे बीते दिनों काफी चर्चा में थे और जिस तरह से उन्हें लोगों का समर्थन मिला, उसे देखते हुए माना जा रहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में हुमायूं कबीर और असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी का गठबंधन सत्ताधारी टीएमसी को मुस्लिम बहुल सीटों पर खासा नुकसान पहुंचा सकता है।

- प.बंगाल में 85 सीटों पर मुस्लिम वोटर निर्णायक स्थिति में हैं, और ये अब तक तृणमूल का वोट बैंक माने जाते रहे हैं, अगर इस वोट बैंक में हुमायूं कबीर व ओवैसी ने सेंध लगा ली तो भाजपा को भारी लाभ होगा।

पश्चिम बंगाल में मुस्लिम मतदाता 85 सीटों पर निर्णायक स्थिति में हैं। ये सीटें राज्य के पांच जिलों में फैली हैं, जिनमें मुर्शिदाबाद, मालदा, उत्तर दिनाजपुर, बीरभूम और दक्षिण 24 परगना शामिल हैं। मुर्शिदाबाद में 66 फीसदी, मालदा में 51 फीसदी, उत्तरी दिनाजपुर में 49 फीसदी, बीरभूम में 37 फीसदी और दक्षिण 24 परगना में 35 फीसदी के करीब मुस्लिम आबादी रहती है।

साल 2021 के विधानसभा चुनाव में टीएमसी ने इन जिलों की 85 विधानसभा सीटों में से 75 पर कब्जा जमाया था। मुर्शिदाबाद जिले में 22 विधानसभा सीटें हैं और मुर्शिदाबाद में हुमायूं कबीर का अच्छा खासा प्रभाव है। खासकर बाबरी मस्जिद के निर्माण की शुरुआत करने से हुमायूं कबीर का इस जिले में जनसमर्थन और बढ़ा है। ऐसे में अगर हुमायूं कबीर और एआईएमआईएम का गठबंधन मुर्शिदाबाद सहित, अन्य मुस्लिम बहुल सीटों पर कुछ प्रतिशत वोट पाने में सफल रहा तो इससे टीएमसी की जीत का गणित गड़बड़ा सकता है। साथ ही कांग्रेस और लेफ्ट भी मुस्लिम बहुल सीटों में सेंध लगाने की कोशिश में हैं। यही वजह है कि हुमायूं कबीर और एआईएमआईएम के गठबंधन से टीएमसी नेतृत्व की चिंता बढ़नी स्वभाविक है।

ट्रंप ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि ईरान के साथ बातचीत पूरे सप्ताह जारी रहेगी।

उन्होंने लिखा, "मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान ने पिछले दो दिनों में मध्य पूर्व में हमारी दुश्मनी के पूर्ण और समग्र समाधान को लेकर बहुत अच्छी और उपयोगी बातचीत की है। पूरे सप्ताह जारी रहने वाली इन गहन, विस्तृत और रचनात्मक वार्ताओं के लहज़े और रुख के आधार पर, मैंने अपने युद्ध विभाग को निर्देश दिया है कि ईरान के बिजली संयंत्रों और ऊर्जा इन्फ्रास्ट्रक्चर पर किसी भी और सभी सैन्य हमलों को पांच दिनों के लिए स्थगित किया जाए, जो चल रही बैठकों और चर्चाओं की सफलता पर निर्भर करेगा। इस विषय पर आपके ध्यान के लिए धन्यवाद।"

प्रयागराज में कोल्ड स्टोरेज की छत गिरी, 4 की मौत

प्रयागराज, 23 मार्च। उत्तर प्रदेश के जनपद प्रयागराज में फाफामऊ क्षेत्र के चांदपुर में प्रयागराज-लखनऊ हाईवे पर स्थित एक कोल्ड स्टोरेज की धमाके के साथ छत ढहने से चार मजदूरों की मौत हो गई।

- यह कोल्ड स्टोरेज समाजवादी पार्टी नेता व पूर्व मंत्री अंसार अहमद का है।

हादसे में 15 लोग घायल हुए हैं। यह कोल्ड स्टोरेज समाजवादी पार्टी (सपा) नेता और पूर्व मंत्री अंसार अहमद का है।घटना की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी मनीष कुमा वर्मा, पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार समेत तमाम अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। घटना के संबंध में जिलाधिकारी ने बताया कि सोमवार दोपहर कोल्ड स्टोरेज में मजदूर आलू रखे रहे थे। इसी बीच स्टोरेज का एक हिस्सा भराभराकर गिर गया, जिसकी वजह से अमोनिया गैस का पाइप फट गया। छत के मलबे में कई मजदूर दब गये। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस और जिला प्रशासन की टीम ने मलबे में दबे सभी लोगों को बाहर निकाला और तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। बताया गया कि हादसे के वक्त वहां 120 लोग मौजूद थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चुनाव आयोग के पत्र पर केरल भाजपा की मुहर

माकपा ने सोशल मीडिया पर मार्च 2019 का चुनाव आयोग का पत्र शेयर किया

तिरुवनंतपुरम, 23 मार्च। चुनाव आयोग के एक पुराने पत्र पर केरल भाजपा की मुहर पाए जाने के बाद सियासी विवाद खड़ा हो गया है। इस मामले ने चुनावी निष्पक्षता को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। विपक्षी दलों ने इसे गंभीर चूक बताते हुए चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाए हैं, जबकि आयोग ने इसे सिर्फ "क्लैरिकल एरर" यानी लेखन की गलती कहकर तुरंत सुधार करने की बात कही है।

यह विवाद तब सामने आया जब सीपीआईएम ने सोशल मीडिया पर एक दस्तावेज साझा किया, जिसमें 19 मार्च 2019 के चुनाव आयोग के पत्र के साथ लगे हलफनामे पर केरल भाजपा की मुहर दिखाई दी। इस पर कांग्रेस और सीपीआईएम ने तीखी प्रतिक्रिया दी।

- उक्त पत्र के साथ संलग्न शपथ पत्र पर केरल भाजपा की मुहर को लेकर भारी विवाद हुआ है। चुनाव आयोग ने इसे लेखन की गलती कहकर टाल दिया।

चुनाव आयोग के केरल कार्यालय ने सफाई देते हुए कहा कि यह गलती अनजाने में हुई और इसे तुरंत ठीक कर लिया गया है। यह मामला 2019 के एक आधिकारिक पत्र से जुड़ा है, जो राजनीतिक दलों को भेजा गया था। सीपीआईएम ने दावा किया कि इस पत्र के साथ जो दस्तावेज भेजा गया, उस पर चुनाव आयोग की बजाय भाजपा की मुहर थी। पार्टी ने कहा कि यह दस्तावेज कई दलों को मिला और इसकी पुष्टि भी की गई। इससे यह सवाल उठने लगा कि क्या चुनाव आयोग के दस्तावेजों में बाहरी हस्तक्षेप हुआ है। केरल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने कहा कि यह पूरी तरह एक क्लैरिकल एरर था। भाजपा केरल यूनिट ने हाल ही में एक पुरानी गाइडलाइन की कॉपी जमा की थी, जिस पर उनकी मुहर लगी थी। इसी कॉपी को गलती से अन्य पार्टियों को भेज दिया गया। कार्यालय ने माना कि यह चूक नजरअंदाज होने की वजह से हुई और बाद में इसे तुरंत वापस ले लिया गया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने बताया कि जैसे ही गलती का पता चला, 21 मार्च को एक नया पत्र जारी कर गलत दस्तावेज वापस ले लिया गया। सीपीआईएम और कांग्रेस ने इस घटना को लेकर चुनाव आयोग पर तीखा हमला किया। सीपीआईएम ने आरोप लगाया कि क्या अब चुनाव आयोग और भाजपा एक ही पावर सेंटर से चल रहे हैं। वहीं, कांग्रेस ने सवाल किया कि आयोग के पास भाजपा की मुहर कैसे पहुंची। विपक्ष ने इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए खतरा बताया। चुनाव आयोग ने साफ किया है कि यह सिर्फ एक तकनीकी गलती थी और इससे चुनाव प्रक्रिया पर कोई असर नहीं पड़ेगा। आयोग ने कहा कि उसकी व्यवस्था पूरी तरह मजबूत और निष्पक्ष है। साथ ही लोगों और मीडिया से अपील की गई कि इस मुद्दे को बढ़ा-चढ़ाकर पेश न किया जाए।

यूपी चुनाव से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की आवश्यकता होती है, जो कांग्रेस के बिना संभव नहीं है। एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि सरकार इस विधेयक पर सर्वसम्मति बनाना चाहती है, लेकिन कांग्रेस के समर्थन के बिना यह संभव नहीं है, जबकि अब तक उससे कोई परामर्श नहीं किया गया है।

परिसीमन एक जटिल और संवेदनशील मुद्दा है, लेकिन फिलहाल ऐसा लगता है कि सरकार इसे अलग रखना चाहती है और इसे बाद में, किन्तु 2029 के लोकसभा चुनावों से पहले, उठाने की योजना बना रही है।

लेकिन सवाल यह है कि बिना परिसीमन के महिलाओं के लिए सीटों की संख्या कैसे बढ़ाई जाएगी।

वस्तुतः नरेन्द्र मोदी और अमित शाह जल्दबाजी में नज़र आ रहे हैं। उत्तर प्रदेश के गत चुनावों में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद राजनीतिक दबाव बढ़ गया है। ऐसे में अमित शाह की राजनीतिक रणनीति नुकसान की भरपाई करने की दिशा में काम कर रही है। अभी तो खेल शुरु हुआ है।

दो और ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से पहले दोनों टैंकर ईरान के लारक और क्वेशम द्वीपों के बीच के जलक्षेत्र से होकर गुजरे थे।

ये दोनों जहाज उन 22 भारतीय झंडे वाले जहाजों में शामिल हैं, जो पश्चिम एशिया में युद्ध के बाद फारस की खाड़ी में फंस गए थे। 28 फरवरी से युद्ध शुरू होने के बाद होर्मुज स्ट्रेट लगभग बंद हो गया है। होर्मुज स्ट्रेट ईरान और ओमान के बीच संकरा रास्ता है, जहां से तेल और गैस की सप्लाई होती है।

ट्रंप ने अपनी "टाको" ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जैसे देशों को अमेरिका-इज़रायल के हमलों के जवाब में ईरान के हमलों का सामना करना पड़ा है।

ट्रंप के इस फैसले के बाद वित्तीय बाजारों ने तुरंत सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। तेल बाजार में भी सुधार देखने को मिला और कीमतों में लगभग 12 प्रतिशत की गिरावट आई। ब्रेंट क्रूड की कीमत पिछले सप्ताह के 118 डॉलर प्रति बैरल से गिरकर सोमवार को लगभग 96 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई।

वित्तीय बाजार भी तेजी से संभले और पश्चिम के प्रमुख शेयर बाजारों में सूचकांक 5 प्रतिशत से अधिक उछल गए। सरकारी बॉन्ड पर ब्याज दरों में भी तेज गिरावट आई, जो संघर्ष शुरू होने के बाद बढ़ गई थीं।

संघर्ष के अचानक बढ़ने से वैश्विक वित्तीय बाजारों में उथल-पुथल मच गई थी, तेल की कीमतें बढ़ गई थीं और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर खतरे पैदा हो गए थे। भारत, विशेष रूप से होर्मुज़ स्ट्रेट के बंद होने से, प्रभावित हो सकता था, क्योंकि भारत का बड़ा हिस्सा तेल आयात इसी मार्ग से होता है।

प्रधानमंत्री ने आज संसद में कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे इस संघर्ष ने भारत के सामने गंभीर चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। भारत को कतर से मिलने वाली रसोई गैस भी इसी मार्ग से आती है। पश्चिम एशिया में स्थित दुनिया के सबसे बड़े प्राकृतिक गैस भंडार 24 दिन के इस संघर्ष में बुरी तरह प्रभावित हुए हैं और लंबे समय तक उनमें काम ठप्प रह सकता है।

बैंगलूरु से लंदन जा रही एयर इंडिया फ्लाइट में खराबी

नई दिल्ली, 23 मार्च। भारतीय विमानन कंपनी एअर इंडिया का एक विमान आपात स्थिति में सउदी अरब के जेद्दा शहर में उतारा गया है।

जानकारी के मुताबिक, विमान बैंगलूरू से लंदन जा रहा था, इस दौरान उसे तकनीकी खराबी के कारण सउदी अरब के जेद्दा शहर में उतारा गया। जानकारी के मुताबिक, उड़ान संख्या एआई133, बोइंग 787-8 विमान, छह घंटे से अधिक समय तक हवा में था। एयरलाइन के एक प्रवक्ता ने बताया कि विमान ने एक एहतियाती कदम उठाते हुए जेद्दा की ओर रुख किया।

पैरासिटामॉल सहित 90 दवा नमूने अप्रमाणित पाए गए

भारत के औषधि महानियंत्रक ने अप्रमाणित फिक्स्डडोज़ दवाओं के खिलाफ राष्ट्र व्यापी अभियान शुरु किया।

नई दिल्ली, 23 मार्च। देश में दवाओं की गुणवत्ता को लेकर बड़ी कार्रवाई करते हुए, भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) ने अप्रमाणित फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन (एफडीसी) दवाओं के खिलाफ राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया है। नियामक ने राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के औषधि नियंत्रकों को 90 एफडीसी दवाओं की जांच करने और आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

सूत्रों के अनुसार, 2025 के सुगम लैब परीक्षण डेटा में बड़ी संख्या में दवाओं के सैंपल अप्रमाणित पाए गए हैं, जिन्हें नई दवा की श्रेणी में रखा गया है। नियमों के मुताबिक, किसी भी नई दवा का निर्माण और बिक्री बिना केन्द्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकरण की अनुमति के नहीं की जा सकती। जांच के दायरे में आने वाली दवाओं में मल्टीविटामिन, फोलिक एसिड, सिरप, पैरासिटामोल, क्लोट्रिमाज़ोल और बेटामेथासोन क्रीम, डाइक्लोफेनाक पोटेशियम और डाइसाइक्लोमाइन हाइड्रोक्लोराइड टैबलेट्स समेत अन्य शामिल हैं।

- पैरासिटामॉल, मल्टीविटामिन फोलिक एसिड के अलावा बेटामेथासोन क्रीम, डाइक्लोफेनाक सहित कई दवाएं शामिल हैं।

डीसीजीआई से राज्यों को भेजे पत्र में कहा गया कि आपूर्ति शृंखला में अप्रमाणित दवाओं की मौजूदगी सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। यह ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 और उससे जुड़े नियमों के उल्लंघन का भी संकेत है। डीसीजीआई ने संबंधित निर्माताओं, विपणनकर्ताओं और अन्य हितधारकों के खिलाफ जांच शुरू कर उचित नियामकीय कार्रवाई करने को कहा है। साथ ही, ऐसी दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर सख्त निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सतीश चंद्र शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश कटारा की ओर से दायर जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। बाबूलाल कटारा की ओर से जमानत याचिका में कहा गया था कि किसी भी आरोपी को अनिश्चितकाल तक जेल में नहीं रखा जा सकता। जांच एजेंसी ने केवल परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोप लगाए हैं और उनसे कोई बरामदगी नहीं हुई है। इसके आधार पर कोर्ट ने 9 फरवरी को कटारा को अंतरिम जमानत दे दी थी। अंतरिम जमानत को रद्द करने के लिए राज्य सरकार ने प्रार्थना पत्र पेश किया। राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.डी. संजय व अधिवक्ता अनीशा रस्तोगी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने तथ्य छिपाकर याचिका पेश की है। उसके खिलाफ पांच आपराधिक मामले लंबित हैं और 51 लाख 20 हजार रुपए व 500 ग्राम से अधिक सोने के आभूषण बरामद हुए। उन्होंने यह भी कहा कि कटारा की ओर से कई बार ट्रायल को स्थगित करवाया गया, जिसकी वजह से ट्रायल में देरी हो रही है। वहीं, कटारा के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय में भी मामला दर्ज है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपी को मिली अंतरिम जमानत को रद्द कर दिया है।

'मैंने पश्चिम एशिया के सभी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिलाने के लिए मोदी ने कहा, "हमारी सरकार ने यह सुनिश्चित करने की कोशिश की है कि पेट्रोल, डीजल और गैस की आपूर्ति बाधित न हो और आम परिवारों को परेशानी न उठानी पड़े।"

उन्होंने कहा, "हम सभी जानते हैं कि भारत अपनी एलपीजी की जरूरत का 60 प्रतिशत आयात करता है। आपूर्ति अनिश्चित होने के कारण सरकार घरेलू आपूर्ति को प्राथमिकता दे रही है। देश में एलपीजी उत्पादन भी बढ़ाया जा रहा है।"

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने गर्मी के फसल सीजन के लिए उर्वरकों की पर्याप्त व्यवस्था कर ली है।

उन्होंने कहा, "जून-जुलाई में शुरू होने वाले गर्मी के बुवाई सीजन के लिए उर्वरकों की पर्याप्त व्यवस्था की गई है और बढ़ते तापमान के साथ बिजली की मांग को पूरा करने के लिए कोयले की भी पर्याप्त व्यवस्था है।"

उन्होंने आगे कहा, "भारत के पास पर्याप्त पेट्रोलियम उपलब्ध है और हमारे रणनीतिक भंडार इस समय 5.3 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक हैं, साथ ही 6.5 मिलियन मीट्रिक टन के अतिरिक्त भंडार बनाने का काम भी जारी है।"

मोदी ने कहा, "भारतीय किसानों को इस संकट से सुरक्षित रखा गया है। जैविक खेती को बढ़ावा दिया गया है और सरकार किसानों की मदद जारी रखेगी।"

उन्होंने बताया, "कच्चा तेल, गैस और उर्वरक जैसी आवश्यक वस्तुओं की बड़ी मात्रा होर्मुज़ जलडमरूमध्य के जरिए भारत आती है। सरकार खाड़ी क्षेत्र के समुद्री मार्गों पर नजर रख रही है, ताकि इन वस्तुओं से जुड़े जहाज सुरक्षित रूप से भारत पहुंच सकें।"

भारत के नाइट्रोजन उर्वरकों के आयात का लगभग 63 प्रतिशत (जिसमें यूरिया और अमोनिया शामिल हैं) और डीएपी (डाय-अमोनियम फॉस्फेट) का 32 प्रतिशत खाड़ी देशों से आता है, जो कृषि-आधारित भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

मोदी ने कहा, "फिलहाल हमारे पास पर्याप्त कोयला भंडार है", और आश्वासन दिया कि बिजली आपूर्ति बाधित नहीं होगी।

उन्होंने कहा कि भारत ने शांति के लिए कूटनीतिक प्रयास किए हैं। "लेकिन व्यापारिक जहाजों पर हमले और होर्मुज़ जलडमरूमध्य (स्ट्रेट) में बाधा स्वीकार्य नहीं है।"

उन्होंने यह भी कहा कि युद्ध की शुरुआत से ही होर्मुज़ स्ट्रेट के जरिए माल की आवाजाही एक चुनौती बनी हुई है, फिर भी सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि गैस और ईंधन की आपूर्ति पर कम से कम असर पड़े।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस संघर्ष ने आर्थिक, मानवीय और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी कई अप्रत्याशित चुनौतियां पैदा कर दी हैं।

उन्होंने कहा, "संघर्ष से प्रभावित देशों के भारत के साथ व्यापक व्यापारिक संबंध हैं। यह क्षेत्र हमारे कच्चे तेल और गैस की जरूरतों का बड़ा हिस्सा पूरा करता है। साथ ही, चूँकि वहां लगभग 1 करोड़ भारतीय रहते और काम करते हैं, इसलिए यह क्षेत्र हमारे लिए महत्वपूर्ण है।"

उन्होंने कहा कि इस संकट पर संसद से दुनिया तक एकजुट और सर्वसम्मत संदेश जाना जरूरी है।

मोदी ने यह भी कहा कि संघर्ष शुरू होने के बाद से, प्रभावित क्षेत्रों में हर भारतीय को आवश्यक सहायता दी गई है।

उन्होंने कहा, "मैंने पश्चिम एशिया के अधिकांश देशों के प्रमुखों से दो बार फोन पर बात की है और उन्होंने सभी भारतीयों की सुरक्षा का आश्वासन दिया है।"

प्रधानमंत्री ने कहा कि दुर्भाग्य से इस संघर्ष में कुछ लोगों की मौत हुई है और कुछ घायल हुए हैं।

उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों को मदद दी जा रही है।

प्रधानमंत्री के भाषण पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने संसद परिसर में पत्रकारों से कहा, "उन्होंने देश को स्थिति के बारे में बताया, लेकिन कुछ नया नहीं कहा।"

उन्होंने कहा, "हमने चर्चा के लिए जो नोटिस दिया है, वह चर्चा होनी चाहिए, ताकि हम भी जवाब दे सकें और सभी पक्ष अपने विचार रख सकें। संसद में चर्चा होना अच्छा रहेगा।"

बंगाल में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सहित, समाज के विभिन्न वर्गों से सुझाव लिए हैं। सुझाव एकत्र करने के लिए जिला और ब्लॉक स्तर पर ड्रॉप बॉक्स भी लगाए गए थे। इस बार बंगाल में भाजपा के लिए दांव बहुत बड़े हैं, तथा पार्टी अगले महीने होने वाले दो चरणों के चुनाव में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस को सत्ता से हटाने की उम्मीद कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 14 स्थानों पर जनसभाओं को संबोधित करने वाले हैं, जिनमें भवानीपुर भी शामिल है, जहां मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का मुकाबला भाजपा के सुवेन्दु अधिकारी से है। पिछले 2021 के चुनावों में, बनर्जी सुवेन्दु अधिकारी से मामूली अंतर से हार गई थीं। कभी ममता कैबिनेट के सबसे प्रभावशाली मंत्रियों में से एक रहे अधिकारी, 2021 विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले भाजपा में शामिल होने के बाद, उनके सबसे बड़े विरोधी और आलोचक बन गए। हालांकि तृणमूल कांग्रेस ने 2021 में 294 में से 215 सीटें जीतकर सत्ता में जोरदार वापसी की, लेकिन बनर्जी नंदीग्राम सीट से सुवेन्दु अधिकारी से 1956 वोटों से हार गई थीं।

'अगर अमेरिका ने हमला ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चयन जानबूझकर किया गया है। ये केवल जनसंख्या केन्द्र नहीं हैं, बल्कि भारत की राजनीतिक शक्ति और आर्थिक मजबूती के प्रतीक हैं। इन्हें चर्चा में लाना मनोवैज्ञानिक और रणनीतिक दबाव को बढ़ाना है। हालांकि भारत के लिए ऐसी बयानबाजी नई नहीं है। उरी हमले से लेकर बालाकोट एयरस्ट्राइक तक के अनुभवों ने एक ऐसी रणनीति को जन्म दिया है जो दृढ़ता और संयम के बीच संतुलन बनाती है। इसका जोर संतुलित प्रतिक्रिया पर है, ऐसी क्षमता जो लागत थोप सके, लेकिन उन सीमाओं को पार न करे, जो अनियंत्रित तनाव बढ़ा सकती हैं। इस ढांचे में बयानबाजी को ध्यान में रखा जाता है, लेकिन यह भारत की रणनीतिक स्थिति को मूल रूप से नहीं बदलती।

वास्तव में, ऐसे बयान मौजूदा तैयारियों को और मजबूत करने का कारण बनते हैं। मुंबई, अब भी 2008 के हमलों को भूला नहीं है और राजधानी दिल्ली पहले से ही बहुस्तरीय सुरक्षा, खुफिया निगरानी और आपात योजनाओं के तहत है। इन शहरों का उल्लेख कोई नई आशंका पैदा नहीं करता, बल्कि एक पुरानी सच्चाई को उजागर करता है कि हाई-प्रोफाइल लक्ष्य तनाव के समय रणनीतिक संकेतों का हिस्सा होते हैं।

बासित के बयान में एक व्यापक श्रोता वर्ग भी शामिल है। अमेरिका-पाकिस्तान संभावित संघर्ष के संदर्भ में भारतीय शहरों का जिक्र एक त्रिकोणीय संदेश है। इसका उद्देश्य वॉशिंगटन को यह याद दिलाना है कि पाकिस्तान के खिलाफ किसी भी सैन्य कार्रवाई से क्षेत्रीय तनाव फैल सकता है और भारत को इसमें शामिल किया जा सकता है, चाहे जानबूझकर या परिस्थितियों के कारण। यह एक क्लासिक रणनीति है, जिसमें बड़े शक्ति संतुलन को प्रभावित करने के लिए हस्तक्षेप की लागत को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जाता है।

नई दिल्ली के लिए यह पहलू खास तौर पर महत्वपूर्ण है। हाल के वर्षों में भारत ने अमेरिका के साथ रणनीतिक सहयोग बढ़ाया है, लेकिन अपनी स्वायत्तता बनाए रखी है। ऐसे बयान, जो संघर्ष को क्षेत्रीय बनाने का संकेत देते हैं, भारत के विकल्पों को अप्रत्यक्ष रूप से सीमित करने का प्रयास माने जाते हैं।

इन सबके ऊपर परमाणु पृष्ठभूमि हमेशा मौजूद रहती है। भारत-पाकिस्तान तनाव पर कोई भी चर्चा परमाणु हथियारों की उपस्थिति से प्रभावित होती है, जो सावधानी और जटिलता दोनों को बढ़ाती है। यही कारण है कि भारत सीमित और सटीक प्रतिक्रिया को प्राथमिकता देता है और ऐसी बयानबाजी से बचता है, जो व्यापक संघर्ष का संकेत दे। इस क्षेत्र में तनाव केवल सीढ़ी नहीं, बल्कि एक खाई जैसा है।

अंततः, बासित की टिप्पणियों को किसी अलग घटना के रूप में नहीं, बल्कि एक व्यापक पैटर्न के हिस्से के रूप में समझना चाहिए। ये एक ऐसी रणनीतिक संस्कृति को दर्शाती हैं, जो जोखिम दिखाकर अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश करती है। भारत के लिए उचित प्रतिक्रिया बयानबाजी में उलझना नहीं, बल्कि अपने स्थापित दृष्टिकोण को मजबूत करना है, बिना घबराहट के सतर्कता बरती जाए, बिना उकसावे के पूरी तैयारी की जाए और सबसे महत्वपूर्ण, ऐसे क्षेत्र में तनाव को नियंत्रित रखने की प्रतिबद्धता रखी जाए, जहां गलत आकलन हमेशा एक वास्तविक खतरा रहा है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908